ऐ मेरे स्वामी अंतरयामी

ऐ मेरे स्वामी अंतरयामी नित जपते तेरा नाम
तेरे भरोसे छोड़ दी नैया तू जाने तेरा काम
ऐ मेरे स्वामी अंतरयामी

जीवन के गेहरे सागर में उठ ते है तूफ़ान
छलके अखियाँ रोये मनवा बेबस हु भगवान
तेरी किरपा हो जाए जिस पे मिलता सुख आराम
ऐ मेरे स्वामी अंतरयामी

तेरे पावन चरण को छु के पत्थर भी तर जाते
टूटी डाली से गूजे भी मधुवन सा मुस्काते
पल पल ढलती जाए भगवन इस जीवन की शाम
ऐ मेरे स्वामी अंतरयामी...

तेरे चरण की धुल से मैंने सुख के मोती पाए ,
तूफ़ान भी मुख मोड़ ले अपना तू जो कर्म कमाए
केवल तेरी प्रीत है साँची छुटे न तेरा धाम
ऐ मेरे स्वामी अंतरयामी

Source: https://www.bharattemples.com/ae-mere-swami-antaryami/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw